10/3/25 पत्रावली आज पेश हुई। [illegible] पक्षकारान उपस्थित। मूल वाद का निस्तारण होने से हस्तगत आवेदन का कोई औचित्य नहीं रह गया है। अतः हस्तगत आवेदन को निस्तारित किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.04.02 16:34:29 IST
Reason: SelfAttested